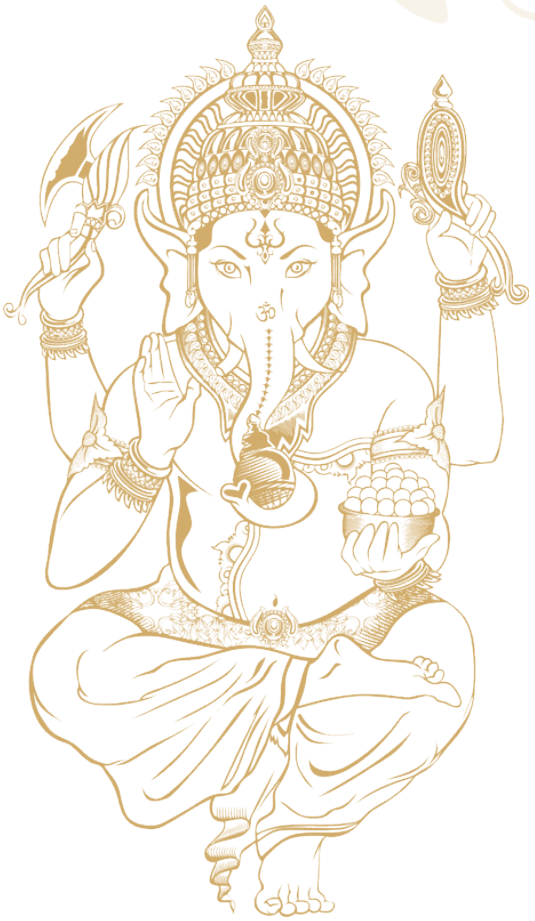

Mr. Ashok mittal

05 Feb 1948

05:00 AM

Moga

Model: web-freekundliweb

Order No: 120624802

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/02/1948**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**05:00:00 घंटे**
इष्ट	54:10:08 घटी
स्थान	**Moga**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:49:00 उत्तर
रेखांश	75:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:29:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:30:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	13:27:03 घंटे
सूर्योदय	07:19:56 घंटे
सूर्यास्त	18:06:19 घंटे
दिनमान	10:46:23 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:56:50 मकर
लग्न के अंश	13:10:57 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	व्याघात
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	13:10:57	343:16:01	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			मक	21:56:50	01:00:51	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	25:49:48	12:06:59	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल	व		सिंह	09:36:37	00:20:23	मघा	3	10	सूर्य	केतु	शनि	मित्र राशि
बुध			कुंभ	10:12:52	00:58:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
गुरु			वृश्चि	28:56:04	00:10:33	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कुंभ	28:40:19	01:12:33	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	26:27:03	00:04:52	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	26:21:58	00:04:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	26:21:58	00:04:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	सम राशि
हर्ष	व		वृष	29:14:45	00:01:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
नेप	व		कन्या	19:44:24	00:00:41	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	केतु	---
प्लूटो	व		कर्क	20:36:43	00:01:25	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			तुला	00:23:01	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:07:44

लग्न-चलित

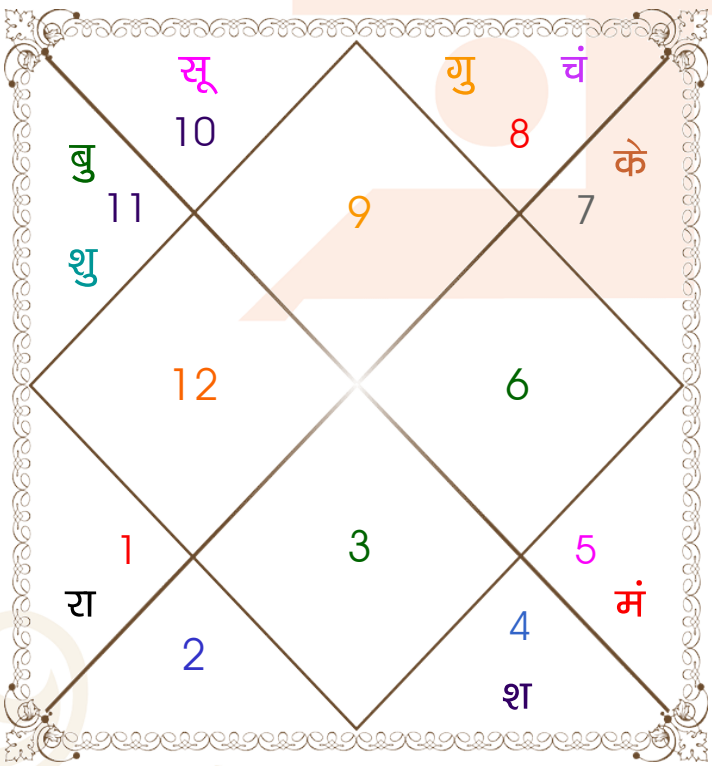

चन्द्र कुंडली

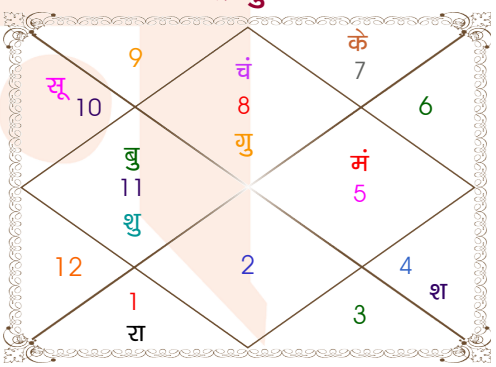

नवमांश कुंडली

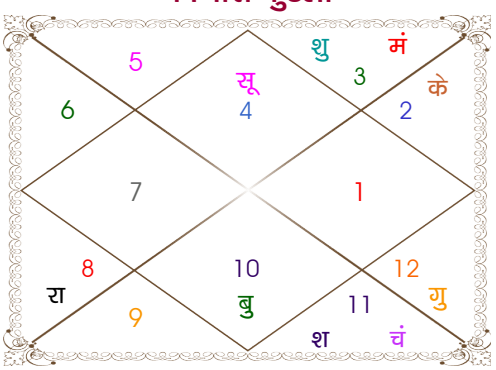

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 5 वर्ष 3 मास 24 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/02/1948		31/05/1953		30/05/1960		30/05/1980		31/05/1986	
31/05/1953		30/05/1960		30/05/1980		31/05/1986		30/05/1996	
	00/00/0000	केतु	27/10/1953	शुक्र	30/09/1963	सूर्य	17/09/1980	चंद्र	31/03/1987
	00/00/0000	शुक्र	27/12/1954	सूर्य	29/09/1964	चंद्र	19/03/1981	मंगल	30/10/1987
	00/00/0000	सूर्य	04/05/1955	चंद्र	31/05/1966	मंगल	24/07/1981	राहु	30/04/1989
	00/00/0000	चंद्र	03/12/1955	मंगल	31/07/1967	राहु	18/06/1982	गुरु	30/08/1990
	00/00/0000	मंगल	30/04/1956	राहु	31/07/1970	गुरु	06/04/1983	शनि	31/03/1992
	05/02/1948	राहु	18/05/1957	गुरु	31/03/1973	शनि	18/03/1984	बुध	30/08/1993
राहु	15/06/1948	गुरु	24/04/1958	शनि	30/05/1976	बुध	23/01/1985	केतु	31/03/1994
गुरु	21/09/1950	शनि	03/06/1959	बुध	31/03/1979	केतु	31/05/1985	शुक्र	30/11/1995
शनि	31/05/1953	बुध	30/05/1960	केतु	30/05/1980	शुक्र	31/05/1986	सूर्य	30/05/1996

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/05/1996		31/05/2003		31/05/2021		31/05/2037		30/05/2056	
31/05/2003		31/05/2021		31/05/2037		30/05/2056		00/00/0000	
मंगल	27/10/1996	राहु	10/02/2006	गुरु	19/07/2023	शनि	02/06/2040	बुध	27/10/2058
राहु	14/11/1997	गुरु	06/07/2008	शनि	29/01/2026	बुध	11/02/2043	केतु	24/10/2059
गुरु	21/10/1998	शनि	13/05/2011	बुध	06/05/2028	केतु	21/03/2044	शुक्र	24/08/2062
शनि	30/11/1999	बुध	29/11/2013	केतु	12/04/2029	शुक्र	22/05/2047	सूर्य	01/07/2063
बुध	26/11/2000	केतु	18/12/2014	शुक्र	12/12/2031	सूर्य	03/05/2048	चंद्र	29/11/2064
केतु	24/04/2001	शुक्र	18/12/2017	सूर्य	29/09/2032	चंद्र	02/12/2049	मंगल	26/11/2065
शुक्र	24/06/2002	सूर्य	11/11/2018	चंद्र	29/01/2034	मंगल	11/01/2051	राहु	05/02/2068
सूर्य	30/10/2002	चंद्र	12/05/2020	मंगल	05/01/2035	राहु	17/11/2053		00/00/0000
चंद्र	31/05/2003	मंगल	31/05/2021	राहु	31/05/2037	गुरु	30/05/2056		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 5 वर्ष 4 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।